हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 12 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 32.2 डिग्री
न्यूनतम 17.1 डिग्री

11 शिव शंकर कुश्ती अकादमी मदीना में ...

12 पुलिस के रूट प्लान लागू, फिर भी जाम से परेशान ...

खबर संक्षेप

राम गली से दिनदहाड़े टेलर का स्कूटर चोरी

रोहतक। त्योहारी सीजन की शुरुआत में ही शहर में चोरी की वारदातें सामने आने लगी है। राम गली से शनिवार सुबह 10:00 बजे दिन दहाड़े दुकान के बाहर खड़ी स्कूटर चोरी हो गया। राम गली में सचिन टेलर के नाम से दुकान चला रहे पाड़ा मोहल्ला निवासी सचिन रोहिल्ला के अनुसार उसने अपनी एक्टिवा सुबह 10:00 बजे अपनी दुकान के आगे खड़ी की थी। इसके बाद वह अपनी दुकान पर कार्य करने में बिजी हो गया, कुछ देर बाद बाहर देखा तो स्कूटी गायब थी। इस दौरान बैंक के बाहर स्कूटर खड़ा दिखाई दिया।

पुरानी आईटीआई ग्राउंड में सफाई अभियान

रोहतक। नगर निगम द्वारा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 को सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शनिवार निगम द्वारा जनभागीदारी के तहत पुराने आईटीआई ग्राउंड में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना रहा। अभियान में निगम के सफाई अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ, एनजीओ आरडब्लूए तथा स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की प्रदेश स्तरीय बैठक

रोहतक। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा की प्रदेश स्तरीय बैठक शनिवार को रोडवेज भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल यादव ने की जबकि संचालन प्रदेश महासचिव रणवीर शर्मा ने किया। बैठक में प्रदेशभर से जिला पदाधिकारियों, प्रधानों, सचिवों और कैशियरों ने भाग लिया। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों की लंबित मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रदेश सरकार की "कर्मचारी विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना की।

मांग : आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार को न्याय दिलवाने की मुहिम तेज

दलित अधिकार मंच व जनसंगठनों ने किया प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शनकारियों ने मानसरोवर पार्क में मीटिंग कर पीड़ित परिवार के लिए संवेदनाएं व्यक्त की। इसके बाद अशोका चौक, एसपी निवास के सामने नारेबाजी एवं प्रदर्शन करते हुए अम्बेडकर चौक पर पहुंचे। जहां नारेबाजी के बाद एसडीएम आशीष कुमार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया पर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार को न्याय दिलवाने के लिए प्रदेश के दर्जनों संगठन शनिवार को सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने पहले मानसरोवर पार्क में मीटिंग कर पीड़ित परिवार के लिए संवेदनाएं व्यक्त की। इसके बाद अशोका चौक, एसपी निवास के सामने नारेबाजी एवं प्रदर्शन करते हुए अम्बेडकर चौक पर पहुंचे। जहां नारेबाजी के बाद एसडीएम आशीष कुमार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कहा कि वाई पूरन कुमार को न्याय नहीं मिला तो वह महापंचायत कर बड़ा निर्णय लेंगे। वे आखिरी दम तक लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने खुलकर आईएएस अधिकारी अवनीत पी कुमार का समर्थन किया। उन्होंने वाई पूरन कुमार द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट में नामजद अधिकारियों की गिरफ्तारी और उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से हटाने की मांग की।

रोहतक। प्रदर्शन करते समस्त अनुसूचित जाति वर्ग के सदस्य।

एसडीएम आशीष कुमार को ज्ञापन देते समस्त अनुसूचित जाति वर्ग के पदाधिकारी।

एसपी नरेंद्र बिजारणिया पर फंसाने का आरोप

एसपी नरेंद्र बिजारणिया आरोप लगे कि उन्होंने तत्कालीन आईजी वाई पूरन कुमार को भ्रष्टाचार के केस में फंसाया। इसके चलते रोहतक में लोगों ने एसपी आवास घेर लिया और काफी देर तक नारेबाजी कर रोष जताया। शहर के अंबेड़कर चौक पर भी लोगों ने धरना दिया। इसी बीच हरियाणा सरकार ने रोहतक के एसपी को पद से हटा दिया। उनकी जगह पर सुरेंद्र भौरिया को नया एसपी नियुक्त किया है।

खाप पंचायतों ने विरोध जताया

वहीं खाप पंचायतों ने मानसरोवर पार्क में मीटिंग की। इसमें खाप ने आईपीएस वाई पूरन सिंह की मृत्यु पर शोक प्रकट किया। साथ ही आईपीएस नरेंद्र बिजारणिया के खिलाफ हुई कार्रवाई का विरोध जताया। पंचायत में निर्णय लिया गया कि रविवार सुबह 11 बजे डीसी को ज्ञापन दिया जाएगा। खाप प्रतिनिधियों ने कहपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की असमय मृत्यु अफसोसजनक है।

प्रदर्शन में कई संगठनों के लोग शामिल हुए

प्रदर्शनकारियों में अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन से संदीप सिंह, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन से सतबीर सिंह, जनवादी महिला समिति से राजकुमारी दहिया, हरियाणा ज्ञान ज्ञान समिति से डॉक्टर आरएस दहिया, डाक्टर प्रमोद गोरी, किसान सभा के मास्टर बलवान सिंह व नागरिक मंच रोहतक से लाभ सिंह हुड्डा, कांग्रेस के शहरी प्रधान कुलदीप केडी, ग्रामीण प्रधान बलवान रंगा, दलित अधिकार मंच की नेता कमलेश लाहली, डॉ दिनेश निंबड़िया, राम कुमार रंगा, सुनील पवार, जगदीश चहल आदि उपस्थित रहे।

एसपी नरेंद्र बिजारणिया हटाए गए

एसपी सुरेंद्र भौरिया ने सम्भाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एडीजीपी वाई पूरन कुमार आत्महत्या प्रकरण में रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया पर गाज गिरी है। उन्हें एसपी के पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह आईपीएस सुरेंद्र सिंह भोरिया को रोहतक का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। आईपीएस वाई पूरन कुमार की पत्नी सीनियर आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार, लगातार एसपी बिजारणिया को हटाने की मांग कर रही थी। 7 अक्टूबर को पूरन कुमार ने चंडीगढ़ में सुसाइड किया था। उनका सुसाइड नोट बहुत विवादित रहा। उन्होंने डीजीपी शत्रुजीत कपूर, एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के नाम लिए थे और उनपर मानसिक उत्पीड़न, जातिगत बदनामी व अन्य गंभीर आरोप लगाए थे। उनकी पत्नी, आईएएस अमनीत कुमार ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति को झूठी शिकायतों द्वारा फंसाने का प्रयास किया गया और उन्हें जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा।

पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया।

2014 बैंच के आईपीएस अधिकारी भौरिया

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक रोहतक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने लघु सचिवालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक रोहतक का कार्यभार संभाला लिया है। इस मौके पर सभी पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया है। 2014 बैंच के आईपीएस अधिकारी सुरेन्द्र सिंह भौरिया कार्यभार संभालने से पहले कमांडेंट पांचवीं बटालिन एचएपी, मधुबन व एसपी एचएसएनसीबी के पद पर तैनात रहे हैं। इससे पहले सुरेन्द्र सिंह भौरिया युमनानगर, अंबाला व कुरुक्षेत्र में भी पुलिस अधीक्षक के पद पर रह चुके हैं। इस अवसर पर एएसपी वाएवीआर शशिशेखर, एएसपी प्रतीक अग्रवाल व अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

कानून व्यवस्था बनाए रखना जिम्मेदारी

पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताते हुए कहा कि पुलिस का मुख्य कार्य कानून व्यवस्था स्थिति को बनाए रखना, अपराध की रोकथाम करना व अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करना है। किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने नहीं दिया जायेगा। जो भी कोई व्यक्ति कानून के खिलाफ जाकर कार्य करेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के नए प्राचार्य बने डॉ. सुरेंद्र सिंह सांगवान

रोहतक। नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में नए प्राचार्य के रूप में डॉ. सुरेंद्र सिंह सांगवान का पदभार संभालने पर एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समस्त एक्सटेंशन लेक्चरर एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया।

एक्सटेंशन लेक्चरर एसोसिएशन ने बुके देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम में आल हरियाणा एक्सटेंशन लेक्चरर एसोसिएशन के प्रधान डॉ. रामपाल बुधवार, कॉलेज प्रधान डॉ. संदीप शर्मा और अन्य सभी एक्सटेंशन लेक्चरर मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी ने नए प्राचार्य का हार्दिक स्वागत किया और उनके नेतृत्व में कॉलेज के उज्जवल भविष्य की कामना की। नए प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह सांगवान ने कहा कि वे सभी स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर छात्रों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से कॉलेज में अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया और कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए यह अति आवश्यक है।

विद्यालय खेल स्पर्धाओं में रोहतक की 156 खिलाड़ियों की टीमें होंगी शामिल

रोहतक। हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिताएं 2025 में रोहतक जिले की चयनित टीमें भाग लेने जा रही हैं। यह प्रतियोगिता 12 से 14 अक्टूबर 2025 तक जींद और गुरुग्राम में आयोजित की जाएगी। जींद में हैंडबॉल और खो-खो (बालक एवं बालिका वर्ग) की प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि गुरुग्राम में नेटबॉल (केवल बालक वर्ग)की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। मीडिया संयोजक डॉ. जनक राज ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 के खिलाड़ी शामिल होंगे। रोहतक जिले से कुल 156 खिलाड़ी राज्य स्तर पर हिस्सा लेंगे, जिनमें हैंडबॉल के 48 खिलाड़ी (24 बालक, 24 बालिका, खो-खो के 72 खिलाड़ी (36 बालक, 36 बालिका) और नेटबॉल के 36 खिलाड़ी (केवल बालक वर्ग) शामिल हैं।

कच्चा बेरी रोड पर निरीक्षण के दौरान मिली लापरवाही, निगम की कड़ी कार्रवाई

12 डेयरी संचालकों को सीलिंग नोटिस जारी

सीवर में गोबर बहाने पर की जा रही निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम अब एक्शन मोड़ में आ गया है। सीवर और नालों में गोबर तथा पशु अपशिष्ट बहाने वालों पर निगम ने कड़ा रुख अपनाया है। शनिवार को नगर निगम की टीम ने कच्चा बेरी रोड क्षेत्र में निरीक्षण करते हुए 12 डेयरी संचालकों को सीलिंग नोटिस जारी किए हैं। ये डेयरियां नालों और सीवरों में गोबर बहाकर गंदगी फैला रही थीं, जिससे क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो और बदबू की समस्या बनी रहती है। शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगम की टीमों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

रोहतक। नोटिस जारी करते निगम कर्मी। फोटो : हरिभूमि

सीवर और नालों में गोबर डालना अपराध

सीवर और नालों में गोबर या अन्य ठोस अपशिष्ट बहाना नगर निगम अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है, क्योंकि इससे न केवल सीवर जाम होते हैं, बल्कि बदबू और पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नगर निगम पहले भी डेयरी संचालकों और डेयरी एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आगाह कर चुका है कि डेयरियों से निकलने वाले गोबर का सही ढंग से निष्पादन करें। इसके बावजूद कुछ डेयरियों द्वारा नियमों की खुली अवहेलना की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डेयरी संचालकों को जल्द शिफ्ट करे कन्हैली में

निगम आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन डेयरी संचालकों को कन्हेली डेयरी कॉम्प्लेक्स में प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं, वे अपनी डेयरियों को तुरंत वहां शिफ्ट करें। उन्होंने कहा कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद यदि डेयरी संचालक अपनी यूनिट्स को निर्धारित स्थान पर नहीं ले जाते, तो अब निगम की टीम द्वारा उन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस स्थिति में डेयरी संचालक स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होंगे।

शहर को स्वच्छ बनाने में करें सहयोग: निगमायुक्त

शहर को स्वच्छ बनाने में करें सहयोग निगम आयुक्त डॉ आनंद शर्मा ने आमजन से भी अपील की कि वे शहर को स्वच्छ बनाए रखने में निगम का सहयोग करें और इस तरह की किसी भी गतिविधि की सूचना निगम को दें। उन्होंने कहा कि निगम का लक्ष्य न केवल सफाई व्यवस्था को सुधारना है, बल्कि रोहतक को स्वच्छ और प्रदूषण-मुक्त शहर बनाना है।

त्योहारों पर सख्ती | **दिवाली से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप**

युवक गिरफ्तार, 262 पैकेट व 96 डिब्बे पटाखे बरामद

त्योहार पर सुरक्षा के मद्देनजर सख्ती, दो दिनों में चार काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

दीपावली के त्योहार के नजदीक आते ही प्रशासन ने पटाखों की अवैध बिक्री और भंडारण पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस ने पिछले दो दिनों में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जो अवैध रूप से पटाखों की बिक्री और परिवहन कर रहे थे। इस अभियान का उद्देश्य त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना, आगजनी या विस्फोट की संभावना को रोकना है। सांपला थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गाड़ी में भारी मात्रा में पटाखों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी कार से 262 पैकेट और 96 डिब्बे विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई एसआई चन्द्रपाल के नेतृत्व में की गई, जबकि पूरी टीम की निगरानी थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह कर रहे थे।

नाकाबंदी के दौरान पकड़ा गया युवक

पुलिस के अनुसार, गश्त के दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि सांपला निवासी एक युवक कार में भारी मात्रा में पटाखे लेकर आ रहा है। पुलिस ने तुरंत मेन चौक, सांपला पर नाकाबंदी की और वाहनों की गहन चेकिंग शुरू कर दी। थोड़ी देर बाद एक संदिग्ध गाड़ी बस अड्डा सांपला की तरफ से आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोककर जांच की तो उसमें अवैध पटाखों से भरे पैकेट मिले।

बिना लाइसेंस पटाखों की बिक्री पर होगी कार्रवाई

सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करें और पटाखों के अवैध भंडारण या बिक्री की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करें। बिना लाइसेंस के पटाखों की बिक्री या परिवहन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।
-सुरेंद्र सिंह भौरिया, एसपी

अधिकृत डीलरों से ही सामग्री खरीदें

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे बिना अनुमति पटाखों की बिक्री या खरीदारी न करें, क्योंकि इससे न केवल कानूनी कार्रवाई हो सकती है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। प्रशासन ने दुकानदारों को चेतावनी दी है कि वे केवल अधिकृत डीलरों से ही सामग्री खरीदें और सुरक्षा मानकों का पालन करें।

ओमेक्स सिटी से ट्यूशन पढ़ने गए छात्र का अपहरण मामला

छात्र का नहीं लगा सुराग, परिजन परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के पॉश इलाके ओमेक्स सिटी में शुक्रवार शाम एक बच्चे का अपहरण कर लिया गया था। जिसका आरोप बच्चे के पिता पर ही है। आईएमटी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की लेकिन अभी तक टीम बच्चा बरामद नहीं कर सकी है। साथ ही गाड़ी बरामद नहीं हुई और आरोपी नहीं पकड़े जा सके, जिससे पीड़ित परिवार में रोष है। उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, देव कॉलोनी निवासी कविता का 13 वर्षीय बेटा ओमेक्स सिटी में स्थित एक ट्यूशन सेंटर में रोजाना पढ़ने जाता था। शुक्रवार को भी वह अपनी साइकिल से ट्यूशन गया था। परिजनों ने बताया कि वह आमतौर पर 4:15 बजे तक ट्यूशन खत्म कर घर लौट आता था, लेकिन जब 4:30 बजे तक वह नहीं पहुंचा तो चिंता बढ़ गई। परिजन तुरंत उसकी तलाश में निकले, लेकिन आसपास के रास्तों और ट्यूशन सेंटर के पास बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। परिवार ने जब ओमेक्स सिटी के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पूरी कहानी सामने आ गई। फुटेज में दिखा कि ट्यूशन से बाहर निकलने के कुछ ही मिनट बाद एक कार बच्चे के पीछे चल रही थी। कुछ ही देर बाद वह कार उसके पास आकर रुकी और फिर बच्चा दिखाई नहीं दिया। रोहद टोल प्लाजा से मिले फुटेज में भी वही कार 5 बजकर 32 मिनट पर गुजरती हुई दिखाई दी। इस फुटेज में कार के पीछे प्रणव की साइकिल स्पष्ट रूप से नजर आई। इससे यह पुख्ता हो गया कि बच्चे को पिता और बहन ही साथ ले गए हैं।

ओमेक्स सिटी से ट्यूशन पढ़ने गए 13 वर्षीय छात्र का दिनदहाड़े अपहरण

हरिभूमि में प्रकाशित खबर

स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे

भविष्य | बिजनेस डेस्क

अगर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती हैं। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टेंशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉन्ट्रिब्यूशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

यह दिया सुझाव

99% माता-पिता बिना किसी स्कीम के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। 'क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लगभग मुफ्त में फंड कर सके... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाए?' उन्होंने एक स्टेप-अप एसआईपी स्ट्रैटेजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रैटेजी महंगे एजुकेशन लोन की जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

कैसे काम करती है स्कीम?

यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

क्या है पूरा गणित?

निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे भुगतान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

दंग कर देने वाले रिजल्ट

इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए ईएमआई लगभग 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। कम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुशासित, स्टेप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये

क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

- सीए ने निवेशकों को बताया क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित
- क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी जान लें

अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रेजरी में लगाया जाता है।

देश में कई सालों से लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूंजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकरेंसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लगता है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकरेंसी में 100 रपये का प्रोफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। दरअसल, क्रिप्टोकरेंसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर फ्लैट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सोच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई

एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मैसेज दिया है कि भले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होता। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये की चपत लगेगी।

क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम

- आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।
- नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते)।
- नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते)।
- अधिग्रहण की लागत को छोड़कर कोई कटौती नहीं।
- ट्रेडिंग फीस जैसे चार्ज भी नहीं घटाए जाते
- इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनदेखा कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।
- कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस चार्ज, माइनिंग की लागत, या एक्सचेंज कमीशन जैसी चीजें आपके टैक्सेबल मुनाफे से नहीं घटाई जा सकतीं।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती हैं।

विशेषताएं

1. विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकरेंसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
2. डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
3. क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
4. ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती हैं।
5. सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकरेंसी की आपूर्ति सीमित होती है।

प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी

1. बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी।
2. एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
3. रिपल : अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के लिए उपयोग।
4. लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
5. कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

उपयोग

1. डिजिटल भुगतानः ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
2. निवेशः कई लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं।
3. विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
4. सीमापार लेनदेनः पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

जोखिम

1. अस्थिरताः कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
2. सुरक्षा जोखिमः हैकिंग और चोरी का खतरा।
3. नियामक अनिश्चितताः विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
4. घोटालेः फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
5. तकनीकी जोखिमः तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट प्लान या कर्ज चुकाने में लगाएं, जरूरतों के लिए 30%, इच्छाओं के लिए- 30%, वेल्थ बनाने के लिए-40% प्रयोग करें

दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

तोहफा | बिजनेस डेस्क

'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझे।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ सकता है।

दिवाली को महज कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ऐसे में हर साल दिवाली पर ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। यह बोनस हमारे लिए खुशियों का तोहफा भी होता है, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का मौका भी। हालांकि अक्सर होता यह है कि जैसे ही बोनस हाथ में आता है, हम शॉपिंग, नई चीजें खरीदने और शौक पूरे करने में पैसा खर्च कर देते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस पैसे का स्मार्ट उपयोग क्या हो सकता है। इसका आप कहां सही इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे अपनी वेल्थ बना सकते हैं या कर्ज उतार सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से बांटें : सही बैलेंस बनाएं

बोनस को खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि इसे दो हिस्सों में बांट लें-एक हिस्सा त्योहार मनाने के लिए और दूसरा भविष्य की जरूरतों के लिए। बाजार के जानकारों के अनुसार बोनस का 50% हिस्सा त्योहार और लाइफस्टाइल पर खर्च करें और बाकी 50% म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट या कर्ज चुकाने जैसे लॉन्ग-टर्म गोल्स के लिए रखें। अगर आपके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां हैं, तो तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसेः-

- जरूरतों के लिए- 30%
- इच्छाओं के लिए- 30%
- वेल्थ बनाने के लिए- 40%

जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें।

इसे बांटने का हर किसी का तरीका अलग हो सकता है। 'अपने बोनस को अपनी जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें। अगर आपके ऊपर हाई-इंटरेस्ट कर्ज है, तो 60-70% बोनस उसको चुकाने में लगाएं।'

सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं

त्योहार की खुशी फाइनेंशियल टेंशन में न बदल जाए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर।' इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोल्स को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें

त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवॉइड करें, क्योंकि इनके इंटरेस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिएटिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिंग्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डील्स का फायदा उठाएं।'

हाई-इंटरेस्ट कर्ज चुकाएं

अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, पर्सनल लोन या किसी भी हाई-इंटरेस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरेस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरेस्ट को कम कर सकता है।' अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

निवेश की स्ट्रैटजी

निवेश के लिए ऑप्शन्स आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिकरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें।' अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोल्स को तेजी से पूरा करने का मौका है। 'बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खत्म हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे फाइनेंशियल फिटनेस का बूस्टर समझें।'

'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

बिजनेस डेस्क

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो ' कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स ' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे डुअल-एसेट पैसिव फंड्स (ऐसे फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले दो साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाई में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई से बचने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं

डुअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदे या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

- यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।
- इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।
- यह एफओएफ एक खास क्वांटिटेटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अपने आप तय करता है कि किस धातु में कितना पैसा लगाना है।

2. मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेश्यो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट- फंड में कुल जमा राशि) 67 करोड़ रुपये था।

3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना डुअल-मेटल फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर हिस्सेदारी रखता है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएम 244.32 करोड़ रुपये है, एक्सपेंस रेशियो 0.15% है और कोई एग्जिट लोड नहीं है। फंड ने पिछले एक साल में 59.7% का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले दो सालों में सालाना 18.1% का सीएजीआर व पिछले तीन सालों में सालाना 11.6% का रिटर्न दिया है।

एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रैप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर दूसरे विकल्पों पर भी दें ध्यान

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी में निवेश को 'साइलेंट वेल्थ ट्रैप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने के मौकों को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशे।

निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें, तभी बढ़ा पाएंगे पैसा

यह मिलता है ब्याज

आज एफडी की सालाना दरें लगभग 6.3% से 7% हैं, जबकि महंगाई करीब 2.1% है। आपकी असली कमाई लगभग 4.2 से 4.9% प्रति वर्ष है।' अगर आप 10 लाख रुपये एफडी में रखते हैं, तो एक साल बाद उसकी असली खरीदने की ताकत सिर्फ 10.42 लाख रुपये ही रह जाती है। इसका मतलब है कि आपका पैसा असल में बहुत कम बढ़ता है।

लोगों को एफडी पर भरोसा क्यों

भारत के लगभग 70% परिवार अभी भी एफडी को ही अपनी बचत का मुख्य जरिया मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इसमें पैसे की पूरी सुरक्षा का भरोसा मिलता है। साथ ही, उन्हें पैसे के लेन-देन की कम जानकारी होती है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं।

यह दी चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा का यह भरोसा तभी तक सही है जब तक महंगाई कम रहती है। उन्होंने लिखा कि अगर महंगाई आपकी एफडी से मिलने वाले रिटर्न से ज्यादा हो जाती है तो आपकी असली दौलत कम होने लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय सुरक्षा लापरवाही से नहीं, बल्कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से मिलती है।

निवेश का तरीका बताया

एक संतुलित निवेश का तरीका सुझाया। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ शेयर बाजार (जिसने पहले 12 से 15% सीएजीआर का रिटर्न दिया है), डेट फंड (6.5 से 8%) और महंगाई से बचाने वाले निवेश जैसे सोना या आरईआईटीएस को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अपने निवेश को एक ही जगह न रखकर अलग-अलग जगह बांटें।

ये हैं निवेश के विकल्प

1. **शेयर बाजार (इक्विटी)- शेयर :** कंपनियों के हिस्सेदारी वाले शेयर।
   - **म्यूचुअल फंड :** पेशेवर प्रबंधन वाले फंड जो विविध शेयरों में निवेश करते हैं।
   - **ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड):** शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले फंड।
2. **फिक्स्ड इनकम निवेश- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी):** बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा।
   - **बॉन्ड:** कंपनियों या सरकार द्वारा जारी कर्ज साधन।
   - **डेब्ट म्यूचुअल फंड:** बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।

ये हैं निवेश के विकल्प

3. **रियल एस्टेट- आवासीय संपत्ति :** घर या फ्लैट।
   - **वाणिज्यिक संपत्ति :** ऑफिस, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स।
   - **आरईआईटी (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट):** रियल एस्टेट में निवेश के लिए ट्रेडेबल यूनिट्स।
4. **सोना और कीमती धातुएं-भौतिक सोना :** सिक्के, बार।
   - **गोल्ड ईटीएफ :** सोने में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड।
   - **सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड:** सरकार द्वारा जारी।
5. **म्यूचुअल फंड- इक्विटी फंड:** शेयर बाजार में निवेश।
   - **हाइब्रिड फंड:** इक्विटी और डेट का मिश्रण।
   - **डेब्ट फंड:** फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।
6. पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)- लंबी अवधि की बचत योजना जो कर लाभ देती है।
7. एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)- रिटायरमेंट के लिए पेंशन योजना।
8. यूएलआईपी (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)- निवेश और बीमा का मिश्रण।
9. क्रिप्टोकरेंसी- डिजिटल मुद्राएं जैसे बिटकॉइन, एथेरियम (उच्च जोखिम)।
10. एफडी और आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट)- बैंकों में निश्चित आय के विकल्प।

जिले को 21वीं सदी के शिक्षा मॉडल के रूप में स्थापित किया जाएगा : एडीसी

- स्कूलों को विद्यार्थियों के सीखने की दृष्टि से तैयार किया जाएगा
- प्रत्येक विद्यालय में स्थापित होंगे उड़ान क्लब और हुनरशाला स्किल लैब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जिले में नवाचार शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम लागू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य जिले के स्कूलों को 21वीं सदी के शिक्षा मॉडल के रूप में विकसित करना है, जहां नवाचार, कौशल, पर्यावरणीय जिम्मेदारी, लैंगिक सशक्तिकरण, शिक्षक नेतृत्व और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। सचिन गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम सरकारी स्कूलों को सीखने की दृष्टि से तैयार करेगा। इसके तहत प्रत्येक स्कूल में ऐसे माहौल और सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जहां छात्र आराम से, रचनात्मक और भयमुक्त रूप से सीख सकें। उन्होंने कहा कि इस पहल को लागू करने में शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा टीम, स्थानीय उद्योग, पूर्व विद्यार्थी और समुदाय की विशेष भूमिका होगी।

योजना को सफल बनाने की अपील

योजना विद्यार्थियों के समग्र विकास, रचनात्मकता और भविष्य की तैयारियों पर केंद्रित है। उन्होंने सभी शिक्षकों और अधिकारियों से अपील की कि वे इस पहल को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दें। **सचिन गुप्ता, सचिन गुप्ता**

व्यावहारिक और व्यावसायिक कौशल पर जोर

विद्यालयों में हुनरशाला स्किल लैब भी स्थापित की जाएगी। इनमें विद्यार्थी बेसिक कोडिंग, बढ़ईगिरी, विद्युत कार्य, मिट्टी के बर्तन बनाना, बुनाई और रंगोली विज्ञान जैसे व्यावहारिक कौशल सीख सकेंगे। इस पहल में स्थानीय आईटीआई संस्थान और औद्योगिक इकाइयां सहयोग करेंगी, जिसमें एक्सपोजर विजिट, डेमो क्लास और स्किल इंटर्नशिप शामिल होंगी। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि यह पहल इस दृष्टि को मूर्त रूप देगी कि रोहतक के स्कूल जीवंत, कौशल समृद्ध और भविष्य के लिए तैयार हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह बच्चों को नवाचार, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति योगदान देने के लिए सक्षम बनाए। कहा कि प्रत्येक विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक उड़ान क्लब स्थापित किए जाएंगे। छात्रों को वैज्ञानिक जिज्ञासा, समस्या-समाधान क्षमता और नवाचार में प्रोत्साहित किया जाएगा। छात्र कम लागत वाले विज्ञान प्रयोग, रोबोटिक्स किट, मॉडल निर्माण और वेस्ट मटेरियल से परियोजनाएं तैयार करेंगे। सालाना यंग इनोवेटर्स फेयर आयोजित किया जाएगा, जिसमें छात्र अपने और स्थानीय नवाचार आधारित प्रोजेक्ट जैसे जल संरक्षण, सौर ऊर्जा और पर्यावरणीय तकनीकों को प्रदर्शित करेंगे।

समग्र शिक्षा पर जोर

सचिन गुप्ता ने कहा कि यह योजना विद्यार्थियों के समग्र विकास, रचनात्मकता और भविष्य की तैयारियों पर केंद्रित है। उन्होंने सभी शिक्षकों और अधिकारियों से अपील की कि वे इस पहल को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दें और सुनिश्चित करें कि स्कूलों में बच्चों के लिए नवाचार और कौशल आधारित शिक्षा का पर्यावरण तैयार हो। इस पहल के सफल कार्यान्वयन से जिले के विद्यालय 21वीं सदी के शिक्षा मॉडल के रूप में पूरे प्रदेश में उदाहरण बनेंगे।

खबर संक्षेप

जिले के हर नागरिक की होगी स्वास्थ्य जांचः डीसी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन अब हर नागरिक के स्वास्थ्य की चिंता करेगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे एक समग्र स्वास्थ्य जांच योजना तैयार करें, ताकि जिले के प्रत्येक गांव और वार्ड में रहने वाले सभी नागरिकों की जांच हो सके। इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि बीमारियों का प्रारंभिक स्तर पर पता लगाकर समय रहते उपचार सुनिश्चित करना। स्थानीय लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की।

हरकिशन पब्लिक स्कूल में लगा हेल्थ कैंप

रोहतक। हरकिशन मैमोरियल पब्लिक स्कूल में शनिवार को स्वास्थ्य संबंधी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और शिक्षकों की बुनियादी स्वास्थ्य जांच की गई। इस जांच में बच्चों का वजन, लम्बाई, हिमोग्लोबिन, शुगर स्तर, आंखों की जांच और नाक-गला-कान की सामान्य जांच शामिल थी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूर्वा के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ टीम स्कूल पहुंची। टीम में डॉ. पूर्वा, अमित कुमार, पूनम, राखी और निर्मल शामिल थे, जिन्होंने बच्चों का वजन, लम्बाई, हिमोग्लोबिन, शुगर और सामान्य स्वास्थ्य की जांच की तथा ज़रूरतानुसार दवाई भी प्रदान की। स्वास्थ्य एवं एलर्जी सेंटर से डॉ. नीरज अग्रवाल और डॉ. कशिश ने बच्चों के नाक, कान और गले की जांच की, जबकि ऑक्सीजन हॉस्पिटल के डॉ. संदीप ने बच्चों की आंखों की जांच की। सभी डॉक्टरों ने बच्चों की जांच अत्यंत सावधानी और लगन से की और आवश्यक सुझाव दिए। कुछ बच्चों को आगे की जांच करवाने की सलाह भी दी गई। इस आयोजन का संचालन और समन्वय स्कूल समन्वयक सोनिया ने किया।

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का हुआ समापन

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में शनिवार को मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के समापन कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में किया गया। कार्यक्रम का विषय था आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और नर्सिंग की भूमिका। डॉ. भूपेंद्र ने बताया कि कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं ने आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में नर्सिंग पेशेवरों की मानसिक स्वास्थ्य भूमिका पर विचार साझा किए। डॉ. पुरुषोत्तम, ने आपदाओं के दौरान उत्पन्न मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और नर्सों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. ऋत्विक गुप्ता ने आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी दी।

खेलों से जीतेंगे, नशे को हराएंगे जैसे स्लोगनों के साथ जुटे खिलाड़ी

शिव शंकर कुश्ती अकादमी मदीना में दिखी नशे को हराने की अनौखी पहल

- नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया
- नशा एक ऐसी लत है जिससे शरीर के साथ घर हो रहे बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नशा नहीं, खेल अपनाए-जीवन को स्वस्थ बनाए" के सशक्त संदेश के साथ शनिवार को शिव शंकर कुश्ती अकादमी, मदीना (जिला रोहतक) में नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की रोहतक यूनिट द्वारा आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें खेलों के माध्यम से नशामुक्त, अनुशासित एवं सशक्त जीवन की ओर प्रेरित करना था। यह कार्यक्रम ब्यूरो प्रमुख एवं पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उप पुलिस अधीक्षक जगजीत सिंह की देखरेख में यूनिट के एसआई देवेंद्र कुमार और एचसी विकास ने खिलाड़ियों व विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने जीवन को खेल और शिक्षा के माध्यम से दिशा दें। कार्यक्रम के दौरान "हरियाणा ओलंपिक खेलों" के लिए कुश्ती सिलेक्शन ट्रायल भी चल रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे। इस मौके पर एनसीबी टीम ने सभी खिलाड़ियों को 'लोटा नमक अभियान' के तहत नशामुक्त जीवन की शपथ दिलाई, कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इस बुराई से बचाने के लिए प्रेरित करेंगे।

> कार्यक्रम ब्यूरो प्रमुख एवं पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने जीवन को खेल और शिक्षा के लिए तैयार करें

रोहतक। खेल प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। इंटर कॉलेज महिला कबड्डी प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

युवाओं को किया प्रेरित

एसआई देवेंद्र कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो युवा नशे से बचते हैं, वही देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाते हैं।" उन्होंने नशे को समाज की जड़ें खोखली करने वाली "दीमक" बताया और कहा कि खेल ही वह माध्यम हैं जो युवाओं को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि वे नशे के अवैध कारोबार से जुड़ी किसी भी सूचना को तुरंत साझा करें। इसके लिए टोल-फ्री नंबर 1933, और हेल्पलाइन नंबर 90508-91508 जारी किए गए हैं।

एमडीयू में महिला इंटर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डॉ. मंगल सेन मल्टीपर्पज जिम्नेजियम हॉल में शनिवार को दो दिवसीय महिला इंटर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट प्रारम्भ हुआ। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी (सेवानिवृत्त) एवं प्रसिद्ध कबड्डी खिलाड़ी शर्मिला द्वारा किया गया। खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने प्रारम्भ में स्वागत भाषण दिया और प्रतिभागी टीमों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. रविंदर पाल, प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों की कुल 12 टीमों ने भाग लिया है। टूर्नामेंट के आयोजन सचिव के रूप में डॉ. तेजपाल, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा, एम.डी.यू. रोहतक ने आयोजन की कमान संभाली। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश गोयत, डॉ. दर्शना, डॉ. सुमन, डॉ. धर्मेंद्र कादयान सहित खेल विभाग के सभी शिक्षक, कोच तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

एमबीबीएस परीक्षा घोटाले में कार्रवाई की मांग

रोहतक। डेमोक्रेटिक मेडिकल एसोसिएशन ने यूएचएस विश्वविद्यालय से संबंधित हालिया एमबीबीएस परीक्षा घोटाले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इसके लिए डीएमए के प्रतिनिधित्व ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित व्यास की अध्यक्षता में जिला उपायुक्त और परीक्षा नियंत्रक(यूएचएस रोहतक) को ज्ञापन सौंपा। ये ज्ञापन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम सौंपा गया। राष्ट्रीय आरटीआई सेल हेड दीपक राठी, मेडिकल स्टूडेंट्स सचिव तरुण एवं सन्नी ने बताया कि यह मामला न केवल चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है, बल्कि ईमानदारी से अध्ययन करने वाले हजारों छात्रों के भविष्य को भी प्रभावित कर रहा है। डीएमए के अनुसार, मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि परीक्षा के प्रश्नपत्र परीक्षा से पूर्व कुछ छात्रों तक पहुंचे और उत्तर पुस्तिकाओं को हरियाणा तक पहुंचाने में अवैध रूप से धन का लेनदेन हुआ।

गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में मनाई फ्रेशर्स पार्टी

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) के विद्यार्थियों द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करना और उन्हें महाविद्यालय परिवेश से परिचित कराना रहा। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि फ्रेशर्स पार्टी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मीयता और सहयोग की भावना को बढ़ाने का एक अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नवागंतुकों का स्वागत किया। मंच संचालन में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने इस दिन को यादगार बताते हुए कॉलेज प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. कपिल कौशिक, डॉ. तपेंद्र कौशिक, डॉ. मोहनलाल कौशिक, डॉ. मंजू नांदल, डॉ. सुमन शर्मा, पूनम, रोहित कौशिक, नितिन शर्मा, ज्योति शर्मा, डॉ. स्वेता शर्मा, अंकुरिता, जयप्रकाश, डॉ. रक्षिता, अनुराधा, प्रदीप आदि उपस्थित रहे।

जीडी गोयनका की स्केटिंग टीम का इंडो-नेपाल सीरीज में हुआ चयन

- टूर्नामेंट में भारत और नेपाल के स्कूलों की टीमें लेंगी भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, सीनियर विंग की स्केटिंग टीम ने एक बार फिर स्कूल का नाम रोशन किया है। टीम ने इंडो-नेपाल एसजीएडीएफ गेम्स इंटरनेशनल सीरीज 2025 के लिए चयन प्राप्त किया है।

यह प्रतियोगिता नेपाल के पोखरा क्षेत्र में आयोजित होगी, जिसमें भारत और नेपाल के कई प्रमुख स्कूलों की टीमें भाग लेंगी।

खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

स्केटिंग टीम के आरव, मानवीर, प्रिंस, आरव सिंह, अवि, रिहान, वंश राय, रेयांश और अरनव जयसवाल ने चयन प्राप्त कर अपने माता-पिता और स्कूल का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर विक्रांत मायना और सान्या मायना ने बताया कि बच्चों की कड़ी मेहनत और कोच शिव के उचित मार्गदर्शन से ही यह सफलता संभव हुई। प्रधानाचार्य सविता नेहरा ने कहा कि इंटरनेशनल ओलंपिक समिति द्वारा प्रमाणित इंडो-नेपाल एसजीएडीएफ गेम्स एक बहुत बड़ा मंच है। उन्होंने कहा कि इसमें चयनित होना ही विद्यार्थियों के लिए बड़ी उपलब्धि है और इससे उनकी खेल प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है।

एचडी पब्लिक स्कूल में हुई अभिभावक परामर्श कार्यशाला

- !छठ पर्व सेवा समिति मंडल ने संजय बठला को--
- कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का चेयरमैन बनने पर दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावक व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

एचडी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अभिभावक परामर्श कार्यशाला का मेगा आयोजन उत्साहपूर्ण और गरिमामय माहौल में किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य अभिभावकों और विद्यालय के बीच सशक्त संवाद स्थापित कर विद्यार्थियों के समग्र विकास को नई दिशा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय की शैक्षिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फोगाट ने मुख्य अतिथि एवं कार्यशाला की संचालक डॉ. कार्तिका शर्मा सहित सभी अभिभावकों का हार्दिक स्वागत किया। नई शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है, जो तभी संभव है जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी एक मजबूत त्रिकोण की तरह एक-दूसरे का सहयोग करें। डॉ. कार्तिका शर्मा ने अपने प्रेरणादायक सत्र में अभिभावकों को बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक जरूरतों को समझने पर विशेष बल दिया। कहा कि हर बच्चे की अपनी गति और क्षमता होती है, इसलिए "हमें बच्चों का मूल्यांकन केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनके प्रयासों, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व से करना चाहिए।

परिक्षा के परिणाम की रिपोर्ट प्रस्तुत की

डॉ. कार्तिका शर्मा ने अभिभावकों को संवाद को सशक्त बनाने, सकारात्मक वातावरण बनाए रखने और बच्चों में आत्म-विश्वास जगाने के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में कोऑर्डिनेटर प्रवीन राणा और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष मंजू अहलावत ने कई रोचक गतिविधियां प्रस्तुत कीं। इन इंटरएक्टिव सत्रों ने पूरे सभागार में उत्साह और सहभागिता का माहौल बना दिया। कार्यशाला के दौरान विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों के साथ अर्धवार्षिक परीक्षाओं के परिणाम, उपस्थिति रिपोर्ट और कक्षा मूल्यांकन से जुड़ी जानकारियां साझा कीं।

एमडीयू में एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स कार्यशाला का सफल समापन

कौशल विकास आत्मनिर्भरता की निशानी: प्रो. सुमित

- कार्यशाला की समन्वयक डॉ. मीनाक्षी हुड्डा ने विद्यार्थियों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के गणित विभाग में करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के सहयोग से महिंद्रा प्राइड (नंदी फाउंडेशन) क्लासरूम द्वारा प्रायोजित एम्प्लायबिलिटी एनहांसमेंट स्किल्स विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला संपन्न हो गयी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. बीके दास, प्रख्यात वैज्ञानिक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। वे एशियाई देशों में शोध को नोबेल स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से गठित अंतर्राष्ट्रीय समिति के प्रतिष्ठित सदस्य भी हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल रोजगारोन्मुखी कौशल को बढ़ावा देती हैं, बल्कि नवाचार और अनुसंधान की भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. सतीश मलिक, लाइब्रेरियन, विवेकानंद पुस्तकालय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान का सबसे बड़ा भंडार हैं और सतत अध्ययन ही जीवन में निरंतर प्रगति का मार्ग है।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रो. बीके दास, प्रख्यात वैज्ञानिक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वागत करते गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुमित गिल। फोटो : हरिभूमि

ऐसे मंच छात्रों के करियर में निभाते महत्वपूर्ण भूमिका

इस अवसर पर गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुमित गिल ने कहा कि कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और अनुसंधान क्षमता ही आज के प्रतिस्पर्धी युग में सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। प्रो. दिव्या मल्हान, निदेशक, करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को उद्योग जगत की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं। एनएसएस कोऑर्डिनेटर एवं उपनिदेशक प्रो. सविता राठी ने विद्यार्थियों को सतत आत्म विकास की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रशिक्षण न केवल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास उत्पन्न करता है, बल्कि उन्हें अपने करियर के प्रति गंभीर और सजग भी बनाता है। कार्यशाला का संचालन रविंदर सिंह और जयदीप मल्होत्रा द्वारा दिया गया। दोनों प्रशिक्षकों ने संचार कौशल, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और साक्षात्कार तकनीकों के व्यवहारिक पहलुओं पर विद्यार्थियों को प्रभावशाली ढंग से मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. मीनाक्षी हुड्डा ने विद्यार्थियों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मोनिका और डॉ. नेहा ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया, जबकि समापन समारोह का संचालन डॉ. मोनिका द्वारा किया गया। इस अवसर पर शोधार्थी सचिन, नविता, अर्चना, कुसुम, सतीश और अमन ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। गणित विभाग के समस्त शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यशाला से प्राप्त अनुभवों को साझा किया। विद्यार्थियों ने फीडबैक में बताया कि इस कार्यशाला से उनके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और पेशेवर दक्षताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने भविष्य में इस प्रकार की और कार्यशालाओं की भी अपेक्षा जताई।

आईबी स्कूल में लाइफ स्किल विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

रोहतक। आईबी स्कूल में एक दिवसीय "लाइफ स्किल विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों में जीवन कौशल से संबंधित आधुनिक ज्ञान, व्यवहारिक समझ और कक्षा शिक्षण में इनके प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम ने शिक्षकों को न केवल शिक्षा के पारंपरिक ढांचे से आगे सोचने का अवसर दिया, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में नई दृष्टि भी प्रदान की। प्रशिक्षण सत्र का संचालन डॉ. सुमन बलहारा और हर्षा शर्मा द्वारा किया गया। दोनों प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को जीवन कौशल के विभिन्न आयामों आत्म-जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता, प्रभावी संप्रेषण, टीम वर्क, भावनात्मक संतुलन और समस्या समाधान पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. बलहारा ने अपने सत्र में शिक्षक स्वयं में एक प्रेरक व्यक्तित्व होते हैं।

पीजीआई में शुरू हुई दो दिवसीय 9वीं पीसीसीएम सीएमई आयोजित

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में शनिवार को दो दिवसीय 9वीं पीसीसीएम सीएमई (पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन) की शुरुआत हुई। पहले दिन मास्टर क्लास ऑन क्रिटिकल केयर का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेशभर से चिकित्सक और विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीजीआई के निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल रहे। डॉ. सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय में वेंटिलेटर की जरूरत लगातार बढ़ रही है और यह आईसीयू में मरीज की जान बचाने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वेंटिलेटर पर मरीज के सभी पैरामीटर स्क्रीन पर देखे जा सकते हैं, जिससे मरीज की स्थिति की संपूर्ण जानकारी मिलती है।

Happy Birth Day

कशिश शर्मा
को जन्मदिन पर परिवार की तरफ से शुभकामनाएं

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES

ICU Staff	6
PRO/Marketing Executive	6
Ward Boy	2
Gate Keeper	2
Computer Operator (Male)	2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

'मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट' का शानदार आयोजन

रोहतक। तनिष्क द्वारा आयोजित 'मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट' एक अत्यंत भव्य और यादगार आयोजन के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य अतिथियों, ग्राहकों एवं फैशन प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस आयोजन की विशेष शोभा बनी मुंबई से आईं प्रसिद्ध फैशन स्टाइलिस्ट बंडिता पात्रो, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उन्होंने ब्राइडल स्टाइलिंग तथा आधुनिक फैशन और ज्वेलरी के नवीनतम रुझानों पर एक प्रेरणादायक सत्र प्रस्तुत किया, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने अत्यंत रुचि और उत्साह के साथ सुना। पात्रो ने बताया कि आज की आधुनिक दुल्हन परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम चाहती है, और मृगांका कलेक्शन इस सोच का शानदार उदाहरण है।

वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हवन के साथ नए सत्र की शुभ शुरुआत

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत भारतीय ज्ञान परंपरा और वैदिक परंपरा के अनुसार हवन व लक्ष्मी पूजन के साथ की गई। यह कार्यक्रम कॉलेज प्रांगण में मैनेजमेंट के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्या डॉ. तरूणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. ज्योति आहूजा और उनकी टीम डॉ. कमलेश, डॉ. सुदेश गुप्ता, डॉ. पूजा पसरेजा एवं डॉ. राखी के सहयोग से किया गया।

डॉ. ज्योति सैनी के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित

रोहतक। सैनी सह-शिक्षा कॉलेज में शनिवार को एक भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के कॉमर्स विभाग की सहायक आचार्या डॉ. ज्योति सैनी के सम्मान में रखा गया, जिन्हें गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार कॉमर्स विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है। प्राचार्य प्रो. भीमसिंह पवार ने कहा कि डॉ. ज्योतिने अपने कार्यकाल में कॉलेज की गरिमा और शिक्षण गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

इंडस पब्लिक स्कूल में हुई इंटर इंडस वॉलीबाल एवं साईंस क्विज प्रतियोगिताएं

- प्रधानाचार्य ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सभी अतिथिगणों का स्वागत किया
- सातवीं के छात्र मंयक कौशिक ने गणेश वंदना नृत्य किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को अंतर इंडस वॉलीबाल एवं साईंस क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं इंडस पब्लिक स्कूल, कैथल, जीन्द, हिसार, खाण्डा खेड़ी, मिर्चपुर, किनाना व रोहतक के विद्यार्थियों के मध्य आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ व सुभाष श्योराण, डायरेक्टर इंडस ग्रुप ऑफ एजुकेशन, अर्जुन अवार्डी विनोद कुमार, सुरेन्द्र पहलवान, कबड्डी कोच रिटायर्ड बीएसएफ, संदीप कुमार नेशनल कबड्डी खिलाड़ी, अशोक कुमार पहलवान, डॉ. ओजस गर्ग पूर्व विद्यार्थी इंडस पब्लिक स्कूल उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सभी अतिथिगणों का स्वागत किया। कक्षा सातवीं के छात्र मंयक कौशिक ने गणेश वंदना नृत्य किया।

वॉलीबाल में अंडर-14 व अंडर-19 में लड़के व लड़कियों ने भाग लिया। सभी छात्रों ने उत्साह व जोश के साथ अपनी-अपनी टीम को विजयी बनाने के लिए भरसक प्रयत्न किया। जिसमें अंडर-14 में लड़कियों में इंडस पब्लिक स्कूल, जींद प्रथम स्थान पर व रोहतक द्वितीय स्थान पर रहे। अंडर-19 में लड़कियों में इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक प्रथम स्थान पर व इंडस पब्लिक स्कूल, जींद द्वितीय स्थान पर रहे। अंडर-14 में लड़कों में इंडस पब्लिक स्कूल, हिसार प्रथम स्थान पर व रोहतक द्वितीय स्थान पर रहे। अंडर-19 में लड़कों में इंडस पब्लिक स्कूल, जींद प्रथम स्थान पर, इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक द्वितीय स्थान पर रहे।

छात्रों की प्रतिभा की सराहना

सुभाष श्योराण ने सभी छात्रों की प्रतिभा की सराहना की उन्होंने कहा कि इंडस स्कूल के विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में बल्कि सांस्कृतिक व खेलों में भी अग्रणी रहे हैं। इंडस ग्रुप के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अन्तर राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। सभी विजित छात्रों को ट्रॉफी व मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया व राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

साईंस क्विज जूनियर वर्ग में इंडस स्कूल जींद प्रथम

साईंस क्विज जूनियर वर्ग में कक्षा छठी से आठवीं तक इंडस पब्लिक स्कूल जींद प्रथम स्थान पर, रोहतक द्वितीय व हिसार तृतीय स्थान पर रहा। साईंस क्विज सीनियर वर्ग में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक इंडस पब्लिक स्कूल रोहतक प्रथम स्थान पर, जींद द्वितीय व कैथल तृतीय स्थान पर रहा। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने अपने सम्बोधन में कहा कि विज्ञान क्विज विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि, स्मृति में सुधार, आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करता है। किसी भी कार्यक्रम का आगाज जितना सुन्दर होता है उसका समापन भी उतना ही अच्छा होता है। कार्यक्रम के अंत में कक्षा आठवीं की छात्राओं ने राजस्थानी लोक नृत्य द्वारा सबका मन मोह लिया।

डी-पार्क से पुराना बस स्टैंड तक लगा रहा भारी जाम

त्योहारों को लेकर सजे बाजार, पुलिस के रूट प्लान लागू, फिर भी जाम से परेशान

यातायात पुलिस नहीं संभाल पा रही ट्रैफिक व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

त्योहारों शुरू होते ही शहर की बाजारें रंग-बिरंगी झालरों, मिठाइयों और दीपकों से सज गई हैं। दुकानों पर खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन इस रौनक के बीच शहरवासी सबसे ज्यादा परेशान ट्रैफिक जाम से हैं।

प्रशासन ने पहले से रूट प्लान तैयार करने का दावा किया था, पर हकीकत में सड़कें घंटों तक जाम रहती हैं। खासकर डी-पार्क से लेकर पुराना बस स्टैंड तक का इलाका यातायात के दबाव में पूरी तरह चरमरा गया है।

रोहतक। शहर में लगे जाम में फंसे वाहन। फोटो : हरिभूमि

भीड़ बढ़ी, सड़कों की चौड़ाई कम पड़ी

दशहरा बीतते ही लोग दीपावली, करवा चौथ और अन्य त्योहारों की खरीदारी में जुट गए हैं। मेन बाजार, गोहाना रोड, झज्जर चौक, रेलवे रोड और कपड़ा बाजार जैसे क्षेत्रों में रोजाना हजारों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने के कारण लोग वाहन जहां-तहां खड़े कर देते हैं। परिणामस्वरूप सड़कें और संकरी हो जाती हैं। शनिवार शाम को डी-पार्क से पुराना बस स्टैंड तक लगभग दो घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। कार, बाइक, ई-रिक्शा और ठेलों की भीड़ ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। कई वाहन चालक अपने वाहनों को साइड में छोड़कर पैदल ही खरीदारी के लिए निकल गए, जिससे ट्रैफिक का बहाव और धीमा हो गया।

पुलिस की तैयारियों की खुली पोल

त्योहारों से पहले यातायात पुलिस ने दावा किया था कि इस बार सख्त रूट प्लान लागू रहेगा। वाहनों को मुख्य बाजारों के अंदर नहीं जाने दिया जाएगा, पार्किंग के लिए वैकल्पिक स्थान तय किए गए हैं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। लेकिन ज़मीनी हालात कुछ और ही नजर आ रहे हैं। गोहाना रोड पर शनिवार को पुलिसकर्मी तो दिखे, मगर अधिकांश समय वे ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बजाय सड़क किनारे खड़े होकर मोबाइल पर व्यस्त दिखाई दिए। कई जगहों पर लोगों ने खुद ही सड़क पर जाम खोलने की कोशिश की।

जनता बोली, पुलिस दिखती है, काम नहीं करती

जाम में फंसे लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि त्योहारी सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ जाती है। प्रशासन हर साल यही कहता है कि तैयारियां पूरी हैं, लेकिन जब समय आता है तो पुलिस नजर ही नहीं आती। गोहाना रोड के दुकानदार राजेश जैन ने बताया कि हर बार यही हाल रहता है। ग्राहक जाम देखकर लौट जाते हैं। प्रशासन को त्योहारों के दौरान मार्केट में वन-वे सिस्टम लागू करना चाहिए। वहीं, छोटू राम क्षेत्र के निवासी दीपक शर्मा ने कहा कि शनिवार शाम को मैं बच्चों के साथ खरीदारी करने निकला था। डी-पार्क से पुराना बस स्टैंड तक पहुंचने में डेढ़ घंटा लग गया। ट्रैफिक पुलिस कहीं नजर नहीं आई।

पैदल चलने वालों को भी परेशानी

भारी भीड़ के कारण पैदल चलने वालों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं और बुजुर्गों को सड़कों पर निकलना दूभर हो गया है। दुकानदारों के अनुसार, ट्रैफिक जाम से न केवल खरीदारों की संख्या प्रभावित हो रही है, बल्कि बिक्री पर भी असर पड़ रहा है। कई ग्राहक ट्रैफिक के कारण बाजार पहुंच ही नहीं पा रहे।

वैकल्पिक रूट पर भी लगा जाम

प्रशासन ने भीड़ से बचने के लिए कुछ वैकल्पिक रूट जारी किए थे, लेकिन वहां भी हालात बिगड़ गए। झज्जर चौक, मॉडल टाउन और दिल्ली रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई बार सिग्नल जाम के कारण ईंधन की बर्बादी और प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया।

रोशनी के बीच परेशानियां भी

जहां एक ओर शहर त्योहारी रोशनी में नहा रहा है, वहीं दूसरी ओर लोगों के चेहरे जाम से थके और परेशान नजर आ रहे हैं। प्रशासन के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वह त्योहार की भीड़ और शहर की रौनक को बनाए रखते हुए लोगों को सुगम यातायात सुविधा प्रदान करे।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में ज्ञान स्वास्थ्य और नवाचार का संगम

- अभिभावक-शिक्षक बैठक, स्वास्थ्य जांच शिविर और रोबोटिक्स प्रदर्शन का सफल आयोजन

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में शनिवार का दिन शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी नवाचार के अनूठे मेल का साक्षी बना। विद्यालय परिसर में एक साथ तीन महत्वपूर्ण गतिविधियों अभिभावक-शिक्षक बैठक, रोबोटिक्स प्रैक्टिकल प्रदर्शन तथा जेएसआर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना और अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षणिक एवं नवाचार आधारित पहल से जोड़ना रहा। अभिभावक-शिक्षक बैठक के दौरान शिक्षकों और अभिभावकों के बीच विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, सीखने की प्रक्रिया और व्यवहारिक सुधार पर विस्तृत चर्चा हुई। शिक्षकों ने बच्चों की सीखने की क्षमता, रचनात्मकता और भविष्य की तैयारी से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में जेएसआर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच और रक्तचाप मापन किया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालय की प्राचार्या ने कहा कि द आर्यन ग्लोबल स्कूल का उद्देश्य शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर जीवन से जोड़ना है। जब ज्ञान के साथ स्वास्थ्य और नवाचार जुड़ते हैं, तभी सच्चे अर्थों में समग्र शिक्षा संभव होती है। अंत में अभिभावकों ने विद्यालय के इस अनूठे प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, जागरूकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं।

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में हुआ अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में भारत स्काउट और गाइड के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. (डॉ.) एच.एल. वर्मा ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं, चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, खेल हो, विज्ञान हो या सेना। उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक राष्ट्र निर्माण की भावना है। हमारी बेटियां हमारी ताकत हैं। हमें उन्हें समान अवसर, शिक्षा और सुरक्षा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। हमें बेटियों के अधिकार और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समाज में समान अवसर देकर ही हम सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हर व्यक्ति बेटियों के सम्मान, संरक्षण और विकास के लिए अपना योगदान दे। डीन एकेडमिक डॉ.नवीन कुमार ने कहा कि बालिकाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि हर बालिका में एक नई दिशा देने की क्षमता है। कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग, नृत्य, स्किट, भाषण प्रतियोगिता और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। इस अवसर पर रोवर्स इंचार्ज डॉ. बबलू शर्मा, रेंजर इंचार्ज डॉ. इशू खंगवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारत स्काउट और गाइड इकाई की टीम ने किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

विद्या श्री इंटरनेशनल स्कूल में आगाज सपनों का

- उत्सव ज्ञान का थीम पर हुआ वार्षिकोत्सव
- बच्चों ने बिखेरे कला और ज्ञान के रंग

रोहतक। विद्या श्री इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को 12वां वार्षिकोत्सव बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एमडी यूनिवर्सिटी के टैगोर ऑडिटोरियम में किया गया, जिसकी थीम थी आगाज़ सपनों का, उत्सव ज्ञान का। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, सृजनशीलता और आत्मविश्वास से मंच को जीवंत बना दिया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों और अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को तीन अलग-अलग स्लॉट्स में विभाजित किया गया, ताकि दर्शकों को अधिक इंतजार न करना पड़े। पहले चरण में मुख्य अतिथि के रूप में मंजीत मलिक, जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आशीष दहिया उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों का विद्यालय परिवार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने नृत्य, नाटक, समूह गायन, लोक नृत्य और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से "सपनों की शुरुआत" और "शिक्षा की महत्ता" को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि मंजीत मलिक ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दूसरे चरण में मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश खोसला और डॉ. किरणप्रीत कौर रहे। इस सत्र में कक्षा 1 से 3 के बच्चों ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और ज्ञान की महत्ता पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्या ऋषु सिवाच एवं डॉ. विकास ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि विद्यालय की थीम आगाज सपनों का, उत्सव ज्ञान का केवल एक नारा नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों की सोच, सृजनात्मकता और विकास की दिशा का प्रतीक है।

सरकारी खरीद पर हो किसानों की फसल : खत्री

सांपला। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस कोर्डिनेटर ओमप्रकाश खत्री ने शनिवार को कहा कि सरकार द्वारा किसने की फसल सरकारी रेट पर खरीदनी चाहिए। इस बार प्रदेश में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। अधिक बारिश ने किसानों को काफी आर्थिक नुकसान पहुंचाया। सरकार द्वारा खराब फसलों का अब तक मुआवजा नहीं दिया गया। अब बाजरे व धान की फसल भी सरकार नहीं खरीद रही। किसानों को प्राइवेट व्यापारियों को सस्ते दामों पर अपनी फसल ओने पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है। सरकार के एमएसपी पर फसल खरीद के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज किस वर्ग सरकार की गलत नीतियों के चलते कर्ज़वान होता जा रहा है।

पुलिस पर लगाया जांच प्रभावित करने का आरोप

किलोई में दो चचेरे भाइयों की हत्या मामले में ग्रामीणों ने आईजी से की शिकायत

- 13 व 14 वर्षीय दोनों बच्चों की हत्या का मामला लगातार गर्माता जा रहा है
- ग्रामीणों ने पुलिस पर पैसे लेकर जांच प्रभावित करने का आरोप लगाया
- पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एक दिन का समय मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव किलोई में 29 सितंबर को हुए दो चचेरे भाइयों की हत्या का मामला अब भी तनावपूर्ण बना हुआ है। दोनों किशोर, 13 वर्षीय ऋषभ और 14 वर्षीय रौनक बास्केटबॉल खिलाड़ी थे। आरोप है कि खेल के मैदान से उन्हें अगवा कर शराब पिलाकर नहर में फेंक दिया गया। शव की बरामदगी के समय, पुलिस ने केवल वंश नामक युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में वंश ने स्वीकार किया कि उसने दोनों बच्चों को मारकर नहर में फेंका, लेकिन ग्रामीण इस कथन पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। परिजनों ने बताया कि घटना के समय वहां अन्य युवक भी मौजूद थे, जिसे उन्होंने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से पाया। परंतु उनका आरोप है कि पुलिस ने अभी तक इन अन्य संदिग्धों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और केवल वंश को ही हिरासत में लिया गया है।

इस परिजनों का कहना है कि बच्चों की एक-एक संतान होने के कारण उन्हें न्याय मिलना बेहद आवश्यक है। ग्रामीणों की नाराजगी बढ़ने पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शनिवार को आईजी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि जांच में बाहरी दबाव और पैसे का हस्तक्षेप हो रहा है। ग्रामीणों ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक धरने पर बैठने की चेतावनी दी। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए एक दिन का समय मांगा और कहा कि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पूरी जांच की जा रही है। पुलिस ने दावा किया कि जल्द ही सभी शामिल व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

रोहतक। आईजी से मिलने आए किलोई गांव के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अक्टूबर 2025

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

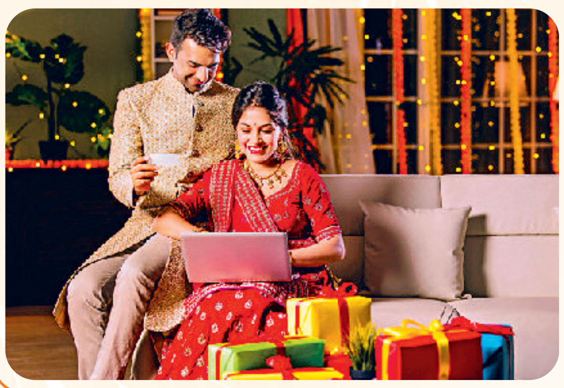

आवरण कथा
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

अवेयरनेस
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

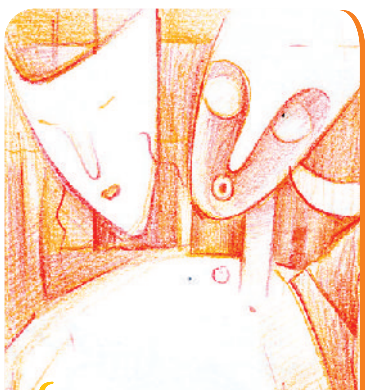

गजल
अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सब का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की ज़द में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखो बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

लघुकथाएं

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

अमेजिंग स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

इन दिनों फेस्टिवल सीजन चल रहा है। आपके घर के आस-पास और बड़ी मार्केट्स में खूब रौनक और भीड़-भाड़ दिख रही होगी। बाजार ऐसा स्थान होता है, जहां से हम सभी अपनी जरूरत का हर सामान खरीद सकते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी बाजार हैं, जो अपनी खूबसूरती, भव्यता, अद्भुत सामानों की बिक्री और अनोखेपन के कारण बहुत मशहूर हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे बाजारों और उनकी विशेषताओं पर एक नजर।

ये हैं दुनिया के कुछ अनोखे-प्रसिद्ध बाजार

डम्नोएन सडुआक फ्लोटिंग मार्केट

यह अनोखा बाजार थाईलैंड में बैंकॉक से लगभग 100 किमी. दक्षिण-पश्चिम में राजबुरी इलाके में लगता है। डम्नोएन मार्केट थाईलैंड के सबसे मशहूर और बड़े तैरते हुए बाजारों में से एक है। इस

बाजार का निर्माण 19वीं सदी के अंत में तत्कालीन राजा रामचतुर्थ के आदेश पर हुआ था। जिसका उद्देश्य माइकलोंग और थाची नामक नदियों को आपस में जोड़ना और उनके माध्यम से व्यापार को सुगम बनाना था। आज यह बाजार सदियों पुरानी थाई परंपरा को दर्शाता है। यहां महिला विक्रेता ज्यादा हैं, जो पारंपरिक कपड़े पहनकर लकड़ी की छोटी नावों पर सामान बेचती हैं। इनमें फल, सब्जियां, ताजा पका हुआ स्ट्रीट फूड, स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ हस्तशिल्प का सामान होता है। यह बाजार सुबह सात से नौ बजे तक सबसे अधिक व्यस्त रहता है। इच्छुक खरीदार ही नहीं, इस अनोखी फ्लोटिंग मार्केट में घूमने और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी नाव से आते हैं।

ईमा कीथेल मार्केट

यह अनोखा बाजार भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में लगता है। यह बाजार लगभग 500 वर्ष पुराना है और एशिया के सबसे बड़े बाजारों में गिना जाता है। ईमा केथेल बाजार की नींव 16वीं शताब्दी में लल्लुप काबा के विरोधस्वरूप हुई मानी जाती है। उस समय पुरुषों को जबरन बंधुवा मजदूर बनाने और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने के लिए भेजने की प्रथा थी। जिसके चलते महिलाओं को घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। उन्हें खेती, विभिन्न खाद्य पदार्थ, घरेलू सामान, परंपरागत सिलाई-बुनाई, हस्तकला निर्मित वस्तुओं का निर्माण, मछली पकड़ने जैसे कार्य करके अपने उत्पाद बेचने पड़े। तभी यह बाजार अस्तित्व में आया।

आज ईमा कीथेल मार्केट दुनिया में एकमात्र ऐसा बाजार है, जो पूरी तरह से महिला विक्रेताओं तकरीबन (6000) द्वारा संचालित किया जाता है। ईमा कीथेल नाम का मणिपुरी भाषा में अर्थ मां का बाजार है, जिसमें प्रायः सभी दुकानदारों को ईमा या मां कह कर संबोधित किया जाता है। यह मुख्यतया तीन खंडों में बंटा हुआ है। जहां घरेलू सामान, फल-सब्जियां, मसाले, विभिन्न प्रकार के जलीय जीव, मणिपुरी पारंपरिक वस्त्र और बुनाई के उत्पाद मिलते हैं। यह केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि मणिपुर की महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, गौरव और सामाजिक-आर्थिक महत्व का एक जीवंत प्रतीक है।

मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट

थाईलैंड के सामुन सोंग खराम प्रांत में लगने वाली मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट को स्थानीय भाषा में तलात रोखूप या फोल्डिंग अंब्रेला मार्केट भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे अनूठे और रिस्की बाजारों में से एक है। यह बाजार अपनी बिक्री वाले सामान के लिए नहीं, बल्कि एक्टिव रेलवे ट्रैक के किनारे बने होने और भारी आवाजाही के कारण मशहूर है। यानी, बाजार के दुकानदार ही नहीं, खरीदार भी रेलवे ट्रैक पर सामान खरीदते-बेचते हैं। यहां ताजे फल, सब्जियां, समुद्री भोजन और अन्य घरेलू सामान मिलता है। इस बाजार का सबसे बड़ा आकर्षण और अनोखापन है ट्रेन का बाजार के बीचों-बीच दिन में आठ बार गुजरना। जैसे ही ट्रेन के आने का हॉर्न बजता है, सभी दुकानदार रेलवे ट्रैक तक पहुंचने वाले अपनी-अपनी दुकान के तिरपाल, छतरियां और सामान तुरंत हटा लेते हैं। रेलवे ट्रैक पर बेखौफ चलने वाले खरीदार भी रास्ता देकर ट्रेन के गुजरने का इंतजार करते हैं। ट्रेन के चले जाने पर बिना देर किए दुकानें फिर सजा लेते हैं और कुछ पलों के लिए थमे बाजार की रौनक दुबारा शुरू हो जाती है। यह अनूठी दिनचर्या जहां स्थानीय वाणिज्य और रेल परिवहन के बीच तालमेल का एक शानदार उदाहरण है, वहीं यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

ग्रैंड बाजार

तुर्की देश के इस्तांबुल शहर में स्थित ग्रैंड बाजार को तुर्की भाषा में कापाली चार्शी कहा जाता है। इसका निर्माण 1455 में ऑटोमन साम्राज्य के सुल्तान मेहमेद द्वितीय के आदेश पर शुरू हुआ था। अपनी जटिल वास्तुकला, गुंबददार छत और ऐतिहासिक भव्यता के कारण यह बाजार सिर्फ

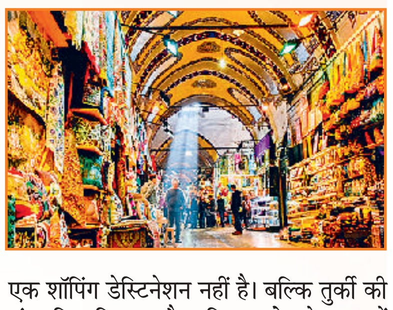

एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं है। बल्कि तुर्की की संस्कृति, इतिहास और एशिया-यूरोप के मध्य में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में इस्तांबुल की भूमिका को दर्शाता, जीता-जागता संग्रहालय भी कहा जा सकता है। आज ग्रैंड बाजार दुनिया के सबसे बड़े और सबसे खूबसूरत बाजारों में से एक है। इसमें 61 से अधिक कवर किए गलियारे और 4000 से अधिक दुकानें हैं। सदियों से व्यापार और वाणिज्य का केंद्र रहे ग्रैंड बाजार में लाखों पर्यटक और खरीदार रोजाना पहुंचते हैं। हस्तनिर्मित टर्किश कालीन, रंगीन सेरेमिक की वस्तुएं, सोने-चांदी के आभूषण, चमड़े के सामान के साथ विभिन्न प्रकार के मसाले, आकर्षण का केंद्र हैं। खरीदारी के लिए मोल-भाव करने का प्रचलन भी यहां है, जो आगुंतकों के खरीदारी के अनुभव को अधिक रोमांचक बना देता है। *

डल झील बाजार

भारत के केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर की डल झील पर लगता है यह तैरता हुआ डल झील सब्जी बाजार। डल झील के बीच पानी में थोड़े समय के लिए लगने वाला बाजार कश्मीर घाटी की संस्कृति और सुंदरता का अद्भुत प्रतीक माना जाता है। यह भारत का इकलौता और दुनिया के चुनिंदा अनोखे बाजारों में एक है, जो पानी के ऊपर लगते हैं। इस बाजार का नजारा डल झील की शांत नीली पृष्ठभूमि और पहाड़ों की छाया के बीच कश्मीरी जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के साथ निवासियों के गहरे जुड़ाव को भी दर्शाता है। डल झील बाजार में रोजाना सुबह पांच से सात बजे तक चहल-पहल बनी रहती है। यानी इस बाजार से यदि किसी को सब्जियां खरीदनी हैं, तो उसे सुबह जल्द ही आना पड़ेगा। स्थानीय विक्रेता लोग शिकारा नाव पर सवार होकर इस बाजार में खुद उगाई सब्जियां लेकर बिक्री के लिए आते हैं। वहीं खरीदार भी अपने शिकारा पर सवार होकर आते हैं और चलते हुए एक नाव से दूसरी नाव पर खरीद-फरोख्त करते हैं।

यूनीक पेंटिंग / मनीष कुमार चौधरी

सदियों पहले इटेलियन पेंटर लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाई गई अद्वितीय पेंटिंग मोनालिसा का आकर्षण अब भी बरकरार है। इस यूनीक पेंटिंग से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर एक नजर।

मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा ने कल्पना को जितना मोहित किया है, उतना शायद ही किसी कलाकृति ने किया हो। उनके इस चित्र का रहस्य और आकर्षण 30 इंच X 20 इंच के साधारण फ्रेम से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वह किताबों, फिल्मों, गीतों और यहां तक कि एक कला चोरी का विषय भी है। समय के साथ पेंटिंग का वार्निश भले ही धुंधला और पीला पड़ गया हो, लेकिन उनकी भावपूर्ण मुस्कान और रहस्यमयी निगाहें अभी भी चमकती हैं।

कौन थी असली मोनालिसा: हालांकि मोनालिसा की पहचान को लेकर कुछ मतभेद हैं। लेकिन ज्यादातर विद्वानों और कला इतिहासकारों का मानना है कि यह चित्र फ्रांसीसी संभ्रांत महिला लिसा डेल जियोकोंडो का है, जो एक धनी रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी थी। लिसा का जन्म 1479 में हुआ था और उन्होंने 15 साल की उम्र में फ्रांसेस्को से शादी की थी। वह बहुत सुंदर और आकर्षक थीं। लियोनार्डो ने 1503 में मोनालिसा को चित्रित करना शुरू किया और 1517 तक इस पर काम किया। हालांकि यह पेंटिंग डेल जियोकोंडो के घर में कभी नहीं सजी। लेकिन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुई।

स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमाल: इस चित्र को बनाने में लियोनार्डो ने अपनी विशिष्ट स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें किसी व्यक्ति के फेस पेंटिंग में होंठों और आंखों के किनारों को सूक्ष्म रूप से धुंधला करके धुएं जैसा रहस्यमयी प्रभाव पैदा किया जाता है। इस प्रभाव से चित्र की आंखें विभिन्न भागों पर घूमती दिखती हैं, मुस्कुराहट बदलती हुई प्रतीत होती है। इस चित्र में ऐसे भाव प्रकट होते हैं, जिसको देखकर यह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि वह खुश है या उदास। वह मुस्कुरा रही है या नहीं। रहस्य का यही स्पर्श पेंटिंग के आकर्षण में इजाफा करता है और दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है।

रहस्यात्मक मुस्कान: मोनालिसा की मुस्कान एक सीधी-सादी, हर्षित मुस्कान नहीं है। इसे अकसर उदासी, गंभीरता या किसी रहस्य का संकेत देने वाली मुस्कान

के रूप में वर्णित किया जाता है। यह मुस्कान लियोनार्डो की मानवीय अभिव्यक्ति और भावनाओं की बारीकियों को पकड़ने की असाधारण क्षमता को भी दर्शाती है। इस मुस्कान का पेंटिंग आर्ट पर अमिट प्रभाव रहा है, जिसने अनगिनत कलाकारों, लेखकों और फिल्म निर्माताओं को इसकी गहराई का पता लगाने और अपनी व्याख्याएं रचने के लिए प्रेरित किया है। इस पेंटिंग को अब तक की सबसे महान भावनात्मक पेंटिंग तक बताया गया है। कुछ इसे परंपरा से परे, परिभाषा से परे, छवि से परे सत्य की तलाश करते हुए पाते हैं। 'तुम्हारी मुस्कान मोनालिसा जैसी है।' यह कहने का मतलब है-रहस्य। यानी कोई मुस्कान रहस्य और जिज्ञासा से कैसे जुड़ जाती है, मोनालिसा की मुस्कान इसका एक सशक्त उदाहरण है। ऐसा माना जाता है कि मोनालिसा द्वारा अपनी मुस्कान में अपनी खुशी को पूरी तरह से व्यक्त न करने का कारण उनके पिछले नुकसान का दर्द था। यह सिद्धांत कई शोक संतप्त महिलाओं के साथ प्रतिध्वनित होता है।

लियोनार्डो की कलात्मकता का कमाल: लियोनार्डो ने चीजों को गहराई से देखने की अपनी क्षमता और अध्ययनों को अपनी कला में भी शामिल किया। मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में लियोनार्डो की अंतर्दृष्टि और गहरी समझ, उनकी उत्कृष्ट कृतियों को अमूल्य बनाती है। एक अध्ययन के अनुसार, मोनालिसा के मुंह की मूल तस्वीर 97 प्रतिशत बार 'खुशी' के रूप में देखी गई। यह शोध इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि मुस्कान वास्तव में खुशी का चित्रण है। मुस्कान के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण और पुनर्निर्माण करके वैज्ञानिकों को इस बात की गहरी समझ मिली कि लियोनार्डो दा विंची अपनी कलात्मकता के माध्यम से दर्शकों की भावनाओं को कैसे प्रभावित करते थे।

चोरी भी हो चुकी पेंटिंग: लियोनार्डो अपनी इस पेंटिंग को 14 साल तक अपने साथ रखे रहे। उनके प्रशंसक कलाकारों और छात्रों ने उनके जीवनकाल में ही इस कलाकृति की प्रतियां बनाना शुरू कर दिया था। यह चित्र अंततः लियोनार्डो के अंतिम संरक्षक फ्रांस के राजा फ्रांसिस प्रथम के संग्रह में शामिल हो गया। लेकिन 21 अगस्त 1911 को यह पेंटिंग चोरी हो गई। अगले दो सालों तक उसकी चोरी की कहानी एक सांस्कृतिक सनसनी बनी रही। वर्ष 1913 में विंसेंजो पेरुगिया नामक व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने इसे चुराया था। इस तरह मोनालिसा वापस अपने फ्रेम में पहुंच गई। *

अपने देश में विभिन्न आकार और आकृतियों के बेशुमार मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक कछुए की आकृति वाला अनूठा मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है। इस मंदिर की विशेषताओं और इससे जुड़ी निर्माण कथा के बारे में जानिए।

कछुए की आकृति वाला अजब-अनूठा मंदिर

रोचक / अशोक वाधवाणी

अपने भारत देश में बहुत सारे ऐसे अद्भुत, अनूठे मंदिर हैं, जिन्हें देखने वाला मंत्रमुग्ध होकर निहारता रह जाता है। इनकी स्थापत्य कला का नायाब नमूना हर किसी को अचरज से भर देता है। कुछ की संरचना इतनी भव्य और अनूठी है कि उसे देखने दुनिया भर से लोग आते हैं। कुछेक मंदिर तो ऐसे हैं, जो आकार में छोटे हैं, लेकिन उनमें लोगों को आकर्षित करने की भरपूर क्षमता है। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर पश्चिम

अपने अनोखे स्ट्रक्चर के कारण प्रसिद्ध है यह मंदिर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पैजार वाडी नामक छोटे से स्थान में स्थित है, जो कि पन्हाला हिल स्टेशन के निकट है। कोल्हापुर-रत्नागिरी रोड पर, कोल्हापुर से महज 25 किमी. की दूरी पर बने इस मंदिर की विशेषता है, इसका कछुए की अनोखी आकृति का होना। कछुआ आकृति वाला दूसरा कोई मंदिर पूरे महाराष्ट्र में और कहीं नहीं है।

निर्माण से जुड़ी मान्यता: इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी मान्यता के अनुसार एक समय में यहां पर श्रीदत्त चिले महाराज के नाम से एक प्रसिद्ध संत हुआ करते थे। वे अपने अनुयायियों के साथ अलग-अलग जगहों का भ्रमण किया करते थे। कोल्हापुर शहर के आस-पास की जगहों जैसे- टेंबलाई, नृहिंहवाड़ी, कोकण क्षेत्र में जोंध मारुति आदि के अलावा पंढ़रपुर जैसी धार्मिक जगहों पर वे अकसर जाते रहते थे। वे जहां भी जाते थे, उस इलाके में रहने वाले कछुओं को अवश्य याद करते थे। किसी स्थान पर पहुंचकर वे जब अपने अनुयायियों से कहते कि कछुआ यहीं-कहीं होना चाहिए, तो उनके शिष्यों की भाग-दौड़ शुरू हो जाती। उन शिष्यों के अचरज का ठिकाना नहीं रहता, जब गुरुदेव के कहे स्थान पर कछुए का दर्शन हो जाता था। श्रीदत्त महाराज का कछुए के प्रति इतना लगाव-जुड़ाव क्यों था? इसकी सही-सही जानकारी नहीं मिली। लेकिन उनके अनुयायी और शिष्य मानते थे कि महाराज जहां कह देंगे, वहां कछुआ जरूर दिख जाता था। वर्ष 1986 में उनके देह त्यागने के बाद उनकी समाधि बनाई गई। मंदिर ट्रस्ट के सारे सदस्यों ने योजना बनाई कि चिले महाराज का कछुए के प्रति आकर्षण को ध्यान में रखकर कछुए की आकृति वाला मंदिर बनवाया जाएगा।

मंदिर की संरचना-विशेषता: कुल 5000 स्क्वायर फीट एरिया में बने इस मंदिर की ऊंचाई 51 फुट, लंबाई 60 फुट और चौड़ाई 80 फुट है। इसकी विशेषता यह है कि मंदिर के निर्माण में किसी भी खंबे का सहारा नहीं लिया गया है। इसकी खूबियों, खासियतों को ध्यान में रखकर ही एक अमेरिकन संस्था ने इसे वर्ष 2005 'आउटस्टैंडिंग स्ट्रक्चर ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

ऐसे किया गया निर्माण: इस मंदिर की योजना को मूर्त रूप देने के लिए पुंडलिक राव इंगले ने विशेष प्रयास किए थे। इसे बनाने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइनें मंगाई गईं। आखिरकार 15 में से एक आर्किटेक्ट प्रमोद बेरी की डिजाइन का चयन किया गया। इस तरह मंदिर का निर्माण पूरा किया गया। इस मंदिर के अंदर ही चिले महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुगणों की आस्था का केंद्र है।

लगता है श्रद्धालुओं का जमघट: ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष बाबा साहब चव्हाण के अनुसार देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का तांता, दर्शन करने के लिए इस मंदिर में लगा रहता है। कई विशेष धार्मिक अवसरों जैसे- श्रीदत्त जयंती, चिले महाराज जी की जन्मतिथि, पुण्यतिथि, हर माह की अमावस्या, गुरु पूर्णिमा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आदि धार्मिक-आध्यात्मिक-सामाजिक अवसरों पर कई कार्यक्रमों का यहां आयोजन किया जाता है। *

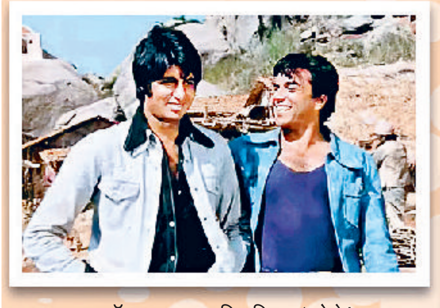

ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म 'शोले'

जो फिल्में कॉमर्शियली सक्सेसफुल हैं, जरूरी नहीं कि वे कालजयी फिल्में भी हों। ऐसे ही यह भी जरूरी नहीं कि सदाबहार कालजयी फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड भी अच्छा रहा हो। बॉलीवुड की कुछ क्लासिक और कॉमर्शियली सक्सेसफुल फिल्मों के फंडे पर एक नजर।

बॉलीवुड की क्लासिक फिल्में वर्सेस कॉमर्शियली हिट फिल्में

कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुगल-ए-आजम'

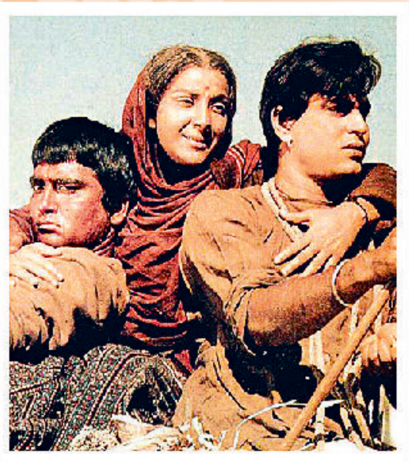

कालजयी फिल्मों में शामिल है 'मदर इंडिया'

सिल्वर स्क्रीन / हेमंत पाल

कालजयी फिल्में वे होती हैं, जिनमें कलात्मक उत्कृष्टता हो। वे सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन ही नहीं करतीं, ये फिल्में ऐसे विषयों से जुड़ी होती हैं, जो मानवीय जीवन और अनुभव के विभिन्न पहलुओं को सामने लाने का माध्यम बनती हैं। इनकी प्रासंगिकता तात्कालिक नहीं होती। ये फिल्में दशकों बाद भी दर्शकों से जुड़ने में सक्षम रहती हैं। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कारोबारी सफलता भी बहुत मायने रखती है, पर सबसे बड़ी सफलता है किसी फिल्म का कालजयी होना।

कॉस्टिंग-इनकम-सक्सेस का फंडा: यह बात सच है कि किसी भी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन या फिल्म से इनकम के आधार पर उसे हिट या फ्लॉप का तमगा दे दिया जाता है। फिल्म की कमाई का सीधा सा अर्थशास्त्र यह है कि फिल्म अपनी कुल लागत से ज्यादा कारोबार करे। जो फिल्म जितना अधिक बिजनेस करती है, उस हिसाब से उसकी सफलता का आकलन किया जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस फैक्टर्स: बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की सक्सेस के अनेक फैक्टर्स होते हैं। आज के दौर में फिल्में अकसर जबर्दस्त एडवर्टाइजमेंट के साथ रिलीज होती हैं, जो तत्काल टिकट-बिक्री को बढ़ाती हैं। उनकी मार्केटिंग और प्रचार का भी मैजिकल अट्रैक्शन पैदा किया जाता है। यही दर्शकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि यह फंडा हर फिल्म के लिए सफल नहीं होता, इसलिए क्योंकि ये इफेक्ट टेंपरेरी हो सकते हैं, जो ऑडियंस को एक बार थिएटर तक खींच सकते हैं, लेकिन अगर फिल्म कंटेंट में दम नहीं है तो कुछ ही समय में सारा प्रचार का जादू फेल भी हो जाता है।

क्लासिक फिल्मों की खासियत: सवाल यह भी है कि अधिक निर्माण लागत और अच्छी-खासी कमाई वाली सभी फिल्में क्या लंबे समय तक दर्शकों को याद रह पाती हैं? इसका जवाब है, शायद नहीं, क्योंकि फिल्में महंगी निर्माण लागत या कमाई से नहीं, बल्कि अपने कथानक, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय से याद रखी जाती हैं। बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में भी आईं, जिसने व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता पाई, लेकिन उन फिल्मों की कहानी या कलात्मकता ऐसी नहीं थी कि उन्हें समय के साथ याद रखा जाए। वहीं कुछ फिल्में कम बजट में बनीं, कम चलीं, लेकिन कालजयी हुईं। करोड़ों का कारोबार करने वाली सभी सुपरहिट फिल्में कालजयी इसलिए नहीं बन पातीं क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर सफलता व्यावसायिक पहलुओं जैसे मार्केटिंग, प्रचार और दर्शकों की तात्कालिक पसंद पर निर्भर होती है। जबकि कालजयी फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली कला, गहराई और स्थाई सामाजिक प्रासंगिकता से जन्म लेती हैं। बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म का हिट होना, अकसर एक विशिष्ट समय की प्रवृत्ति होती है, जो समय के साथ धुंधली हो सकती है। लेकिन कालजयी फिल्में मानवीय भावनाओं, विचारों और सामाजिक बदलावों को पकड़ती हैं, जो उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी प्रासंगिक बनाती हैं।

बहुत कम बनती हैं कालजयी फिल्में: सौ सालों से ज्यादा लंबे भारतीय फिल्म इतिहास में आज भी ऐसी फिल्में अंगुली पर गिनी जा सकती हैं, जो हर दौर में पसंद की जाती रही हैं।

कॉमर्शियली फ्लॉप पर क्लासिक 'मेरा नाम जोकर'

'कालजयी' का मतलब है, समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और महत्व को बनाए रखना। कालजयी फिल्में समय काल के सामाजिक रुझानों, तकनीकी नवाचारों या विशिष्ट जनसांख्यिकी को पूरा करती हैं, जो समय के साथ बदल भी सकती हैं।

कालजयी फिल्मों के जरूरी तत्व: अगर फिल्मों को कालजयी बनाने वाले तत्वों की बात की जाए, तो उनमें कलात्मक गुणवत्ता बेहद जरूरी है। कई व्यावसायिक फिल्में तकनीकी या कलात्मक गहराई की कमी दिखाती हैं। प्रासंगिकता के नजरिए से कहा जाए, तो कालजयी फिल्में सार्वभौमिक विषयों जैसे प्यार, न्याय या मानवीयता की नैतिक दुविधाओं को उजागर करती हैं, जो किसी भी समय में दर्शकों के साथ जुड़ जाती हैं। ऐसी फिल्में जो समाज में गहराई से जुड़ती हैं, महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों को प्रेरित करती हैं या मानवीय अनुभव की नई व्याख्या प्रस्तुत करती हैं। ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों कमाए, लेकिन कुछ सालों बाद उन्हें भुला दिया गया है, क्योंकि वे किसी विशेष समय की उपज थीं। दूसरी और ऐसी फिल्में भी हैं, जिन्होंने रिलीज के समय बड़ी कमाई नहीं की, लेकिन अपनी कलात्मक गुणवत्ता, कहानी और स्थायी विषयों वाले कथानक की वजह से आज भी याद की जाती हैं और देखी जाती हैं।

कुछ कालजयी हिंदी फिल्में: बॉलीवुड की कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो अपने रिलीज के दशकों बाद भी अपना एक अलग मुकाम रखती हैं। इन फिल्मों को हर दौर में हर पीढ़ी के दर्शकों का प्यार मिला। 'कागज के फूल', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'बॉबी', 'शोले', 'दीवार', 'उमराव जान' जैसी फिल्मों को आज भी दर्शक याद करते हैं। इन फिल्मों की गिनती बॉलीवुड के क्लासिक कल्ट के रूप में होती है। खास बात यह है कि इन फिल्मों ने व्यावसायिक रूप से भी सफलता के झंडे गाड़े थे।

कई फिल्में अपने समय में व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं, लेकिन बाद में उन्हीं फिल्मों को बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक का दर्जा मिला। उदाहरण के तौर पे 'मेरा नाम जोकर' और 'सिलसिला' जैसी फिल्मों को देखा जा सकता है।

ये वे फिल्में हैं, जो सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि मानवीय भावनाओं, सामाजिक मुद्दों और मानवीय रिश्तों की गहरी समझ को भी प्रस्तुत करती हैं, जिससे वे हमेशा के लिए कालातीत बन जाती हैं। *